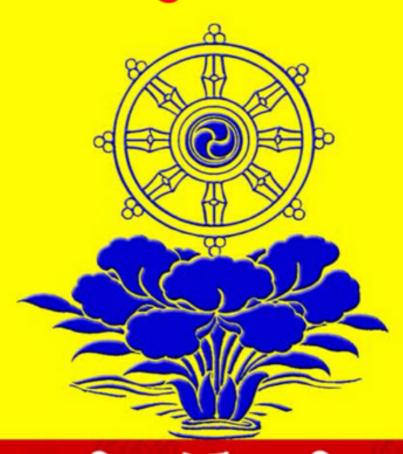
द्यो<u>र्</u>ष्ट्रिया<u>ष</u>्ट्रियाष्ट्रिया



<u>२२.मेब.गुब.क्ष.मञ्जूषाब.नेबा</u>

<u> न्मोर्स्स्ट मीयायनुवासिययान्नेयानमुख्य यहास्याम्</u>य

२० विम्नारम्म स्वाधित्या स्वाधित्य स

८४.मेश.मुश.मुश.स्था.यश्चेत्रायश्चेत्र्यस्य

क्रमाश्वर प्रामिश्वर देव मायया प्रयास्य स्थाप प्राप्त प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र

द्वां र्ह्मा व्याप्त व्यापत व्

१सर्हेन्'यर'यहेंद्'या २क्ष्मा'यदे'यश्चर्य'याशुसा

ঽয়৸য়ৢ

~ र्ह्में क्रिक्ने के मान्य द्वा

पम्रहेन'यर'र्हेग्यापर्देन'सर्देन'सुरा

८श्चिययायम् प्रति र्भूरा

यममेषामाहेन'गु'सर्कन'हेन'मञ्ज

५५मो र्सेट सुयाय दे कें म

यय'य'यही

१भ्रेष्ट्रिंद्र शुंद्र शुंष्ट्र भ्रम्भ याद्र दा

२मप्तिन'येन'ग्री'यम'या

३र्श्रेमामार्हेर्णुप्रसम्पा

ंभेर्केशत्रुयिद्दुत्रमुप्यस्या

शषु या प्रमुक् या ये द्वारा मा

उरेमार्यते स्वाभा

उत्विमाक्रमाञ्चापदे स्माभा

~ पश्चेत प्राप्त प्रमाय प्रमाय प्रमाया

५श्चन मुद्दायि भूगा आ

७।यट सदे स्वासा

थायट केत मु भूमा आ

८मावि'से ५ ग्यी' स्वमा सा

ल्चमा र्द्रम मुै 'क्ष्मा भा

१०८ मे ब मे मे प्रति स्थान

११२ हे या सु 'र्सु माया ग्री' क्षमा सा

१२ ष्टिमासुन पर्तिन सप् १ क्षमासा

१३ नगाय र्से भैं मने मये क्ष्मा भा

१अ'देश'या

सटाक्षटाश्वमाद्या

श्चर क्षर मञ्जू क्ष्म प्रदर्भी र्मेश्वयायकर'नदे'श्वर'ना तच्यायदे सिटाया त्रु'यहेंगामी'सूट'या केंशमीशत्युरत्ह्यायी सुटाया मेंबायेव यदे सदाया र्श्वेद मदे सदाना क्ष्मार्सेर येत्र यदे श्वर या स्मायार्सेट्य पर्मेट्य र्शे से न्या सुमाया या से दान दे सिदाना नभ्रमानदे सदानदे

श्वर स्वर महित्र महित्

यत्राक्षणमा स्वाक्षण स्वाक्यण स्वाक्षण स्वाक्षण स्वाक्षण स्वाक्षण स्वाक्षण स्वाक्षण स्वाक्षण

য়्ट 'सुट 'य दुं क्वं मा शुग्रा या सुट 'य वे द 'य केट 'य ये सुट 'या सु

मार्ग्न्याय्यास्य स्वाप्त्र स्वाप्त

क्षट मुेर प्यय विग य रगु य हा मेयायविवार्यम्याणु से क्वायस्य य'र्नेत'र्सेग्य'ग्रै'से'र्द्व'पद्य यानर्भेयार्थेग्याणु से क्वान्यु। **षट षट सेंग्राणु से क्राय**ु। कु'र्सेम्। या गुै' हे' क्व पर् ष्ठियार्सेग्याणु से क्या पर् यसमायविदार्सेग्याणु से कदायस्। अर्मेव अट मुक र्श्वेमश गुः श्रे क्व परु केंबार्स्नेदार्सेग्वाणु से कदा परुते।

र्शेर प्रमुग्य गुः है।

हेब'मुब'ममु'द्र'महेबा में बायमें यदे स्वाप्य स्वा वर्गे पदे द्वा है ना वरुषा यदे रह्या रष्ठा ब्रषायेम् र्स्यायमुत् ाय अश्रुं द्र द्वा भेर या देगा क्षट मने दार्श्वे दार्ख्या महु मिल्रा केंबार्स्नेवार्स्यानेमानुगा श्चियायदे स्वामाशुमा कु'य'गठेगा

नश्चन्य प्रिंद्य र्श्वित्य मित्र मि

म्बिंग्म्सुसर्केंग्गा **न्युर्यान्यां गुंकें** मा **न्यु**रंग्वस्था **न्याया** निशे

रुषाणु नगग नु

रुषान्दर्याभेन मसूषायदे माली

रैशकर'र्त्तु'षे'शे'र्षिशप'गमुरा

धुर पर्रेषा

धुर पर्देश गुःग्वि पर्द्रम्

र्से द्रायदे मुप्य विष

मात्रशास्त्राम्याभावी

नवे मोट माने प्रतः में मार्था या से दि प्राप्ति । श्रेपिलेगाुन प्रश्यम् पृश्यप्रेन पर्य केदे'सर्हेर'रेश'गु'य' নৰ্শ্বশ্বশ্বশ্ব

अर्केर्'यर'यर्हेर्'या

७९। ।येगश्यम् मह्यस्य पदि द्यायदे केंश्यद्यायदे मोटा मिले'न्द्रमें मार्थायार्येन्या सुद्रमें प्रवेगानुष्ययायम् स्वा र्ये केदै अर्हे द रेश मुपा वस्य उद्या छेत्र यदे विनय या सुग वळ्याची महिमानु नगर नवे क्षमा नश्या यस्य महिमा श्रेम पर में अश्यस्त्र त्यों गुत्र सुमार्ठमा क्ष्र र द्यों दश्य श्रुमाश हे र उता । मारुमान्द्रान्यत्रेक्षागान्यान्यारुमान्द्रान्द्रान्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त ८८'र्5'र्स्मिर्डमा'हैर'र्न्मिट्र्य'रे। । स्नर्'र्डमा'म्यिय'य' बेद्यर हेम् रैम् रैम् १६ द्या अध्ययर प्रमायम् स्वाप्य स्वाप्य

<u> न्मोर्स्स्ट मीय पर्याधिसय हैया ममुः सः महास्या</u>

यत्र प्रस्ता या स्वाप्त विष्ठा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

क्ष्मा'मद्रे'मञ्जूम'म'मागुगा

শ'ন্ডা

युट क्रम सेसस द्रमदे संप्त स्त्र है। दर में स्मा मुर्गित प्राप्त दि। मुर्गित्र स्मा मुर्गित्र स्त्र स्त्री स्त्र स यमुन्यभेगिर्णया नगुययोगशयवैर्त्तुर्गेशा यदुर्यर्केशणुः श्वेतः इसमार्भा षानु र्णे मादे युन् सेन मी पन् र्सेय क्षर केंग्य प्रस भ्रम्याणुः याम्युः भ्रेप्टार्भेष्वणुराम्याभाटेयामदेषाप्रदा ग्रियाम यहेव'य'ग्विदे'शा ग्रांशुअ'य'ग्वाय'केव'र्श्चेट'यदे'शा यवि'य'यश्चय'य' मुन्युषा व्यापर्वेद्वस्याहेन् मुण्या नुग्यापह्रम्याष्ट्रपरा यभेष्युर्यतिषा न्गुयम्नियायर्केषाहेन्'ग्रेषा वरु'यर्हेग्षा याश्चे केनमाणे मास्रे नहुर्वे।

र्थेव केंग पड़ा

बदबामुबासुगद्भाययायायद्यामेंदामी'यक्षेत्रायरार्हेम्बायायदेार्ह्येता मुंक्रमान्य दे है। ह्मायान्य यान्य म्यान्य मुयान्य मुयान्य स्यान्य मुयान्य स्यान्य स्याय स्यान्य स्याय स

न्गेर्बेट्गैयप्रवाद्येययहैययहैययहैययहैययहै चर्'से के मेया क्या मुद्दा क्या महेया र्हेमायायामाध्याद्वाता व्यक्षेत्र वार्त्य व्यक्षेत्र विष्याचित्र र्ये र्बेन्न्यरावयानुत्याययान्ता नवत् के र्वेन्यानुना रुया श्वेन्या माशुक्षाम्यात्व्रात्याययात्रा क्षेप्तमुद्याययात्राम्या क्षेप्तिया चकुर्'चक्षुच'यर'षय'त्रुद्य'यय'र्द्रा येग्य'त्रुद्र्य'यदे'यद् यान् गुरुष्ययम्पर्या अर्केन श्चित्रयाया अर्थेन श्चित्रयायान्यो ५८१ ५मे ५५५ में मारम खुया ५ सुमा सुम दुर्भे मार्था ५८१ स्वर त्रिंच 'तु 'ख़'र्के मार्थ 'र्थे या मार्थिय 'यविदे 'यय 'गु 'र य चु द 'य क्षेत्र' र्हेम्बर् डिम्कर दु चुद या इसका की

<u> न्योः र्सेट मीस प्रचारीयस हैस प्रचारी स्थाप</u>

पश्चेत्र'यर'र्हेग्य'पर्रेत्'यर्देत्'यूर्

श्चित्रशादम् प्रति स्री

त्रु'अ'र्दा अदशक्त्रश र्वेश र्वो'य्रुक्'यिक्'याश्च्रुयश'स्युं'य्र्वे' र्वोश'या

<u> न्योः र्बे</u>ट मीयाय नृषाः विस्वया हैया यक्ताः स्थाय हुए साम्युसा

यमेशमाहेन'गु'सळ्न'हेर'यसु

येगाळे का प्रिया प्रिय प्रिया प्रिय प

नगेर्भेट श्चरायदे कें गा

मर्शेयापितियायाणे के मार्क्यायायार्क्यायाय्वामयाप्याप्या चे च्या श्री स्थापित्या के स्थापित्य के स्थापित्या के स्थापित्य के

<u> न्योः र्से</u>दः योषायन्त्रयाः विस्वयः श्रेषायन् वृष्टः यहुः सः याषुस्रा

<u> न्मोर्स्स्ट मीयाय्</u>नुया<u>ष्विस्रयाष्ट्रियायमु</u>श्चायुर् साम्युस्या

२९। | ५मो र्सेट मोशप्द प्राप्तिस्रा हैस मकु थि मसु स्मासुस मलुगास सी

न्मोर्सूट मेश स्टापि प्रस्ता प्रस्ता प्रस्ता प्रस्ता स्टापि स्टापि प्रस्ता स्टापि स्ट

यय'य'यही

निगर्श्वित्मी स्यापि सुत्य से शिक्ष्य स्था से प्रिया से सिन्य से प्रिया से सिन्य सिन्य से सिन्य सिन्य से सिन्य

<u> न्मोर्स्स्र</u> म्मेयप्त्याष्ट्रिययाष्ट्रीययाष्ट्रीयाम्

भैं कॅटश हुँ दण्णे सभाया

यस्रयाम्बितिष्ठान्यस्यके स्वानि स्वा

याचुितायेताचुाययाया

यसयम्बिति त्राम्येश सञ्चित्र यो म्यस्य स्था म्यान्त म्यान्त म्यान्त म्यान्त स्था स्थान स्

<u> न्योर्से</u>ट योषाय नुवासियय हैया यमु खाय हु। सः या सुवा

र्श्रेमामर्रेट्रणुम्बस्या

यस्य प्रविदेश्वर मासेस्य र्स्यामार्चे द्रणी यस्य प्राची माले सेदस्य सेर कमास्य प्रविदेश्वर मासे द्राय प्रविद्र प्राचा से क्ष्य प्राचा से क्ष्य प्राचा से क्ष्य प्राचा से द्राय प्रविद्य स्रमास जीस मासे द्राय के स्रमाय प्रविद्या माले के प्राचा से द्राय प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्य

<u> न्नोर्स्त</u> प्रमायन्त्र प्राप्तिस्य के सामन् विष्ट प्रमायन्त्र सामन्त्र सामन्ति सामन्त्र सामन्ति सामन्ति सामन्ति सामन्ति सामन्ति सामन्ति सामन्ति सामन्ति स

श्राक्र्याम्यत्र द्वाम्याया

न्मो'यर् म'क्ष्मा'स'मर्ख्यास्या

<u> न्योर्से</u>ट्योबाय्नुया<u>ष</u>िस्रवान्नेस्यम् स्थाप्तस्य स्थाप्त

शसु'न'य्चेन'यदे'क्ष्मा'सा

दमोत्दुन्द्वस्मायायञ्जास्य मध्याभ्याभ्य मध्याभ्य स्वाप्त्र स्वाप

वरेमा'सदे'क्षमा'सा

दमोत्द्व'क्षमा'स'मञ्जम्बुस'मुंजिद्द्र'मार्थस्। सेसस'ठ्व'त्र'कम्बर' स'त्रस'मुद्दर्भमा'स'क्ष्मे'सद्स'त्रम्भाम्बर्धः मुख्या कम्बर्धः सदि सेसस'मुस'सुद्दर सेद'मुद्देव'स'त्र'देमा'सदस'त्रस'तुस'मुक्तम्बर्धः दिव'सर्दि।

उत्रिमार्स्यमाञ्चा प्रतिकृषाः आ

दमे'यद्द्व'श्रम्'अ'यद्दु'म्बुअ'यथा बेधब'ठ्व'य्य'क्रम्ब'य्यथा चुर्र'यदे'श्रम्'अ'य्दि'व्द'म्बेबा क्रम्ब'बेधब'चेब'गुव'व्य' पश्चद्य'हे'य्द्र'बेद'य'य्विम'क्रम्'बेंग्ब्य'यर्खम्'म्ह्र्य'य्व्य' हेव'यर'श्चु'पर्दि।

~ पश्चेत पण्र प्रम्याय परि भ्रमा था

दमो'यद्वत'क्षमा'स'यद्यु'मासुस'यस्य सेसस'उत्त'यःकमास'यदे'क्षमा' स'स्यि'त्वद'मासेस्य कमास'सेसस'ण्येस'युद्द'सेद'ण्येस'यक्षेत्र'यग्यूर'त्व' येमास'र्से लेस'यस्मास'यार्सेद'या

<u>५मोर्ब्ब</u>टमीयप्दुवा<u>ष</u>्चिसयाद्गेयाम्मुः श्रामसुस्रा

पश्चन'मेर'यदे'क्ष्मा'भा

ध्यट सदे स्माभा

द्रमे'त्र्वस्थास्य त्रुंम्स्स्य भ्रम्भः भ्रम् भ्रित्रं भ्रम्य स्वाधित्रं स्वाधित्यं स्वाधित्रं स्व

<u> न्यो र्से ट योषा पर्याचिम्रमा हैमा यमु खाय हु साम्राम्य</u>

थायट केत मु भूमा आ

५मवि'सेर्'णु'क्षमा'सा

दमो'यद्वत'क्षमा'स'यद्गु'मासुस'यस्य मार्केद'य'यस्य मुर्केद'र्य्य मार्केस'ग्री' य'ग्राया दमो'र्सेद्रिंद्र'मालक'यायहेंद्र'यदि'मालि'सर्घेद्र'र्घेस'र्देमास'मासुस' सेद'यलेक'यस'यले'माट'मी'र्स्के'क्स'सुर'य'यदेयस'यदें।

<u> न्मोर्स्स्रेट्यम्बर्यत्रुयाः विस्रमः क्षेत्रायमुः स्यान्स्या</u>

ल्यमा र्यमा श्री क्षेमा भा

१०८ चेत्र चेत्र सदे स्वासा

११२ हे या सु 'र्सुयाया ग्री' क्ष्मा या

१२ ष्टिम सुन पर्येन पर्ये द्वामा

१३ नगद र्से भे नदे नदे स्वाभा

सदेशया

न्मे'र्सूट'ल्नेम'र्येअअ'र्म्म्यायेन्यअद्यायर'र्येक्'यर'र्सूय'र्येद'ण्णे'स्रुय्य' व्याप्त्रीं मान्यास्य स्युद्ध्य स्थाप्त्रीं स्याप्त्रीं स्थाप्त्रीं स्थाप्त्रीं स्थाप्त्रीं स्थाप्त्रीं स्थाप्त्रीं स्थाप्त्रीं स्थाप्त्रीं स्थाप्त्रीं स्थाप्त्रीं स्थाप्त्रीं

अट.किट.श्रेश.श्री

শ্বদ্ধেদ্যবস্তু ক্রব্যব্দর্থী

<u> न्यों स्व</u>िट योबाय द्वाया विस्रवा है बाय कुष्टा यहा हुए साम्युसा

१मेंबाध्याप्करामदेश्यरामा

यत्र्यायदे श्वराया

स्मार्या स्मार्थित स्वाप्त स्

<u> न्मोर्स्स्टरमेशयन्त्रयाष्ट्रिययाष्ट्रिययकुत्रयम्</u>यस्य

३ तु 'दर्हेगा'मी' श्रद 'या

য়्ट स्ट सु र सु अ सु ते क्ट मा श्रेश किंश में श्रिश मा सु अ में सु से से मा सु अ मा सु अ में से से मा सु अ मा

~ नवायषुरायह्मायवे श्वराना

য়८ॱस८ खुर खुर दि तर मार्थेया रूट मी के पुर या धित यदि प्रमी खूर या या प्रमाय प्रमाय के प्रमाय क

इसे खेल के किया के कार्य के का

पर्मेश्येत्यते स्टाया

য়८ॱसु८ॱয়ुয়ॱदुति क८ माश्रेश रूटा प्राक्षेश रूटा प्राक्षेश में श्रित स्वामाश्रुश प्रित प्राक्षेत्र प्रा

५र्शेट'यदे'श्वट'या

<u> न्योर्स्स</u>ट मीबायनुत्राधिस्रवा हैवायनु ख्रायनु ख्रायनु स्

० क्ष्मार्ये र यो तुर्मा यो सुद्र या

५ समायायार्सेट प्रदेश स्टापा

য়८ॱस८ खुर खुर खुर क्रियम् केष्य भीता है 'क्रीक खिर्य स्था क्रिया वार खें नाय क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र स्था क्षेत्र क्षेत्र स्था क्षेत्र

िर्से से न्या स्याया से दि प्याये सि द प्या

१०नमुरःचदेः स्टापा

श्रद्धर पशुर्यं क्रिया प्रा

द्रमे र्श्वेद्रमे श्वेद्र प्रति श्वेद्र प्र

११श्रीम्ययास्म्याम्या

स्ट सिट सिया द्वी विट मां से स्वा क्ष्या क्

१२नयान्या स्रुत्र मुः स्टाना

इत्रिट्सुम्सुम्सुद्वित्या न्यान्या न्यान्या स्वाप्त्या स्वापत्या स्वाप्त्या स्वाप्या स्वाप्या स्वाप्या स्वाप्या स्वाप्त्या स्वाप्त्

গঽক'শাইম'নইম্ম'নবি'শ্বে

स्रद्धाः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्युवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्य स्रवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्युवः स्रुवः स्युवः स्युवः स्युवः स्युवः स्युवः स्युवः स्युवः स्युवः स्युवः

१८ में निम्मिस्या

१५अर्थेम्पटमी स्ट्रिट्या

१७०४ पुरायाः विष्यायाः स्वा

য়८ॱस८ खु८ खु८ खु८ माशेश महामी छे पु अधीव मदे प्रमे क्षेट खा यामया प्रमुद्द स्थान स्

१५२व में के प्यानेगायते श्वराया

१८अटें न अर्जन उन भी श्रद पा

য়ৢ८ॱसु८ॱয়ৢয়ॱয়ৢतेॱढ़८ॱमाश्रेश। कमाश्राशेशशाण्याशे प्राधित प्रापे छिर्यापायामाश्रेर ५५ त्यायार्श्वमाश्रापात्र सुन् सुन् ५ ५ त्यामे स्मार्थ प्राधित प्राधित । प्राधित प्राप्ता स्मार्थ प्राप्त स्मार्थ स्मार्य स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्य स्मार्थ स्मार्थ

२०र्रेकेंट मुद्द मदे स्टाम

श्चर्षुर सुम रुते वरमाशेश रेव में के स्राधिव मति प्रेंग स्वाधिव स्वाध

श्रद्धर पशुक्रपाशुक्रपा

५ नो र्श्वेद्वानी श्वद्वान प्रस्ति हैंदि स्वान हैं क्ष्म मास्स्र स्वीत स्वान स्वान

२१ष्ट्रट'मबेर'एकट'मदे'श्चट'मा

श्रम्भूम् सुर्यं सुर्यं स्वरंगित्र वित्रं मुक्ता स्वरंगित्र स्वरंगित्य स्वरंगित्र स्वरं

२२ष्टुट'मबेर'ष्ट्रमा'र्से'एकट'मदे'श्चट'मा

२३ श्रमाश्रापश्रमा मु पहुणा भये श्रम मा

য়ৄ८ॱसु८ॱয়ुमाञ्दिन्दरमाश्रेशा ष्टिमायाः भे पुष्याध्येत्। स्वायाः सुद्रायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वाय स्वायाः स्वाय

२८ तम्मायामभ्रेत्यते स्टामा

२५ चुन पर्सेगामी सुट पा

२७५में व्ययेष्य्ययामाञ्चराया

য়८ॱড়८ॱয়ৢয়৾ড়ৢतेॱढ़८ॱमशेशा नमे ऒॣ॔८ॱनमें त'यायशकेंशमें श'र्टा ययात्रशलमायतुत्र सत्रकरायत्रशयर्वी

२०४४ केत् भुः स्टापा

য়८ড়ৣ८ॱয়ৢয়ৼৢतेॱढ़८ॱमशेशा ५ॻॖॸॱॻয়भयोत् णुः स्टर्भय व्यान्तेषाः षत्र ५८। ५गगा५ग्रेग्म्यात्र सञ्जान्ते पुर्वे ५ स्व प्य स्थान्य स्थाने व्य पर्वाप्य ५८ प्र ५८ सम्पर्वे।

२५गि५५'रा'यश्च चुद'रादे'श्चद'रा

য়८ॱस८ अभ द्वी वर माशेश हित यह मागीश माह ५ यदी ५ तुर छी । के ५ या ५ तुर अळअश छी वर ५ जिंद श हिं ५ यदी ।

१८नर्सेशयाम्बन्दर्गयसुरम्पदेश्वरम्

३०मार्शेमा'यहेमा'मी'श्रद'या

स्टिन्स्य स्टिन

क्षट मुद्दायय विमा य द्या यहा

५नोः र्क्षेट्रमीः स्वट्याः सुट्येट्रप्णे स्वेद्ये स्वट्या स्वेद्यं स्वयः स्वेयः स्वयः स्य

१मेश'मिव्यंग्रायाणे'शे'र्क्ष'मञ्जा

सिट्रमेर त्यत्र बिगाय रगा पर्दे प्रत्या महीत्र महित्र महि

मेना स्रायमेन्यति हिट्मेना हिन्म्यति हिट्मेना स्रीत्र स्रिट्मेना स्रीत्र स्रिट्मेना स्रीत्र स

२बार्चेन र्बेषाबाणी के क्वा पड़ा

यदे क्षट मुद्दे न्य स्ट्रें

३स'मर्झेस'मदे'श्चे'क्र्य,मसु

हुट मुद्देन प्रयास्त्रिम प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्व स्वाप्त स

<u> न्योर्स्सेट योबाय नुया विस्रवा क्षेत्रा यमु (स. यहा स्यासुस्रा</u>

~ यदायदाषी शेर्क्त परु

हुट में दे त्यय हो नाय दे मा यह स्व प्या वह स्व प्या के स्व प्य के स्व के स्य

पकु'र्सेमायाणी'श्रेम्ब्रम्यसु

हुट मुेर प्रयप्तिना पर्म प्रयुप्त विषा पर्दे के प्रयुप्त के प्रयु

यदे सुद मे द्वा द्वा प्रमाया स्व प्रदे सुद मे दे द्वा द्वा प्रमामी दि द मात्रश्यविष्टुट मुेर रदा रममामी रुपमोरि मुेर यविष्टुट मुेर ५८१ यहेगायवैष्ट्वराष्ट्रेर्प्ता यहेगायराम्बर्ध्यायवैष्ट्वराष्ट्रेर् ५८१ मान्याद्यायेन प्रक्रमायविष्ट्वर चेर रेप सुर्वे

<u> ल्रिस स्मामा में क्रिस्त</u>

क्षट मुेर प्रमय निगम्य प्रमुप्त स्वरं क्षट मार्थे या मसुर् क्षत्र मुगम्य या वक्षार्रेद्रादुष्यप्रदेष्ट्वायदेष्ट्यायदेष्ट्वायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्ट्यायदेष्यायदेष्ट्यायदे ५८१ ५५४५४५८५ मधुरम्पदेष्ट्वरामुन्दरम् अयाग्रिमाक्ष्मार्थेरा १वायिः द्वितः चेतः द्वा भ्रमाः स्वाद्वा स्वादे । नदे हेश सु र्सुनश्यदे सुट मुे ५ ५ ५ १ ५ में द्वार महेश महे । क्षट मुद्दे द्वा में बाय बाय ब्राय मुद्दे प्रति क्षट मुद्दे द्वा के देवा में के'यारेगा'मदे'क्षुट'मुेर'र्दा षुषामुेर'मदे'क्षुट'मुेर'मरुष'मरुदें।

यन्यस्य निव र्यम्य गुः हे र्यं व

क्षट मुेर प्रमय बिग य रगु म रुपे बट मार्थेश म रु र्क्न म मुर य पा मुक्'र्से'न्द्रक्षक'रुमा'मु'पर्में मिपे क्षुद्र मुेन्द्रा है'मु'स'र्सेक्'यर' मक्षेत्रयमर्हेग्रयपदेष्टुटाचेत्रदा यर्भेष्यदेष्टुटाचेत्रदा मेटा इन्देन्यविष्ट्वन्त्रा अञ्चानम्वर्णमविष्ट्रन्द्रा अ मुश्यिते क्षुट मे निर्देश कर पश्चर मे पे के प्रमान के में प्रमे कर पश्चर में प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र वह्मायविष्ट्वराचेरारेप खुर्वे।

७केंब्र क्रेंन्य र्येण्य ग्री क्रेंक्त्र

हुट मुेर प्यय निगम प्रमुप्य दुवे बट मार्थेया य दुः र्वत द्रमुप्य प्रा म्त्रित्रं मुप्ति हुत्रं चेत्रत्या मुयार्येदे र्से म्रात्र् पुत्रमा सदे हुत् वेद्रद्रा एद्रज्ञार्थेद्रप्रदेष्ट्रद्रवेद्रद्रा वयस्यावेद्रप्रदेष्ट्रद

चेत्रत्ता विम्हायर्केश्ययेष्ट्वित्रत्ता मैहाययायर्गेश्वय्येष्ट्वित्रत्ता विद्यायर्थेश्वय्येष्ट्वित्रत्ता विद्यायर्थेश्वय्येष्ट्वित्रत्ता विद्यायर्थेश्वय्येष्ट्वित्रत्ता विद्यायर्थेश्वय्येष्ट्वित्रत्ता विद्यायर्थेश्वय्येष्ट्वित्रयेष्ट्वेत्येष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्येष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्येष्ट्येष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्येष्ट्वेत्येष्ट्वेत्रयेष्ट्वेत्येष्ट्वेत्येत

यदुः र्वत 'द्रार्थे भेषा यहित 'ग्रै' श्रे रव्या या

हुनश्चानविष्टुट चेट्टिट हो स्वाप्टिट स्वविष्ट हो स्वाप्टिट हो स्वाप्ट हो स्वाप्टिट हो स्वाप्टिट हो स्वाप्टिट हो स्वाप्टिट हो हो स्वाप्टिट हो स्वाप्ट हो स्

गह्रमञ्जूपये सुद मुदा

२र्सेुंब'म€ॅर'मपे'क्षट'मेुरा

३स्र'म'मुर'मदेख्रट'मुरा

हुट मुद्दे प्यय निषाय प्रमा य स्वर्थ क्षेत्र क्षेत्र प्रमा स्वर्थ य स्वर्थ य स्वर्थ प्रमा स्वर्थ क्षेत्र स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स

~ शुं र्श्वम्याचे दायदे सिटा चे दा

हुट'चेद'ययय'निमाय'दम्गु'यद्धये'नट'माश्रेशा दमो'र्श्चेट'मानिन'दमा' मी'र्सेद'य'नि'यर'चुश्राय'दे'र्स्चेष्ट्रीयश्चिमश्चि'र्झे'नश्चर्युत्र'र्स्ट्रिट्यार्श्चेट'या

पमुनु सेनु पार्केश क्षेत्र पति सुट मुन

७मङ्गेव'सर'अ'र्हेग्याय'द्रद'ङ्गव'रुग्यदेव'सदे'ङ्गद'रुद्र

ष्ट्रट मुद्देन प्रयाप दिना पर्या मार्थिया में द्राया मार्थिया मार्

व्यात्रयाद्यायेत्याहेर्यये सुदानुदा

५क्षेर्क्सम्भ्यमदेवस्यम्श्चमदेश्वराष्ट्रीत

हुट मुद्दे प्रयाप निमाय प्रमाप्त स्वी यह मार्थे या स्ट हिट मुद्दे प्रयाप मित्र प्रमाय मित्र प्रम मित्र प्रमाय मित्र प्रमाय मित्र प्रमाय मित्र प्रमाय मित्र प्रमा

ल्ममेशर्टेरप्रसुश्रायवेष्ट्वरामेत्र

हुट मुद्देन प्रत्य लिगाय प्रमुख्य प्रदेश महामाश्रेश प्रमाण प्रदेश मि प्रमाण प्रदेश मि प्रमाण प्रमाण

पदुः र्वत्रमा है या या या पेता मुः हे रवता या

क्कें नामार्ठेर स्वरे खुट से ने निर्मा विश्व स्वरे खुट से ने निर्मा महिट स्वरे स्वरे खुट से ने निर्मा महिट स्वरे खुट से ने निर्मा महिट स्वरे खुट से निर्मा के सम्मार्थ खुट से निर्मा से निर्मा के सम्मार्थ खुट से निर्मा से निर्म से निर्मा से निर्म से निर्मा से निर्म से निर्मा से निर्मा से निर्म से निर्मा से निर्मा से निर्म से निर्मा से निर्म से निर्

११क्षे'ममार्डेन्'मदेखुट'मुन्

हुट मुद्दे प्यत्य लिगाय प्रमुख्य प्रदेश विद्या में स्वा विद्या स्व प्रदेश स्व प्रमुख्य प्रमु

१२०सु मदे सुट मुेरा

१३ मर्झे म इरम् वेंद्र स्परिष्ट्र मुद्र

हुट'मुेर'त्यत्'बिग'य'रगु'यदुत्'ब्रट्माशेश रगो'तर्द्र भीश'सुर' यर्देश'य'रमें र'यत्'केर'रु'हुट'य'ग्नोट'य'क'श'र्घश'यहर'यद' म्बर'त्रेयश'य'र्शग्थाययश्चर्यश्चर्यम्थ'भ्वेश'यश्चर'यर्द्

१८ मार्थास्यामी सिट्रिट्री

सुट मुद्दे द्वा त्या दिना पार्य विषय प्राप्त क्षेत्र स्वा विषय स्व विषय स्

१५मिट्रिट्यदेख्वट मुद्

सुट मुेर प्रया निमाय प्रमाय सुरे क्रा मार्थे या मार्रिट या या या सुर प्रया स्थित सुट मुेर प्रेर हो मार्स्य प्रमाय मार्य प्रया मार्थे प्रया मार्थे प्रया मार्थे प्रया मार्थे प्रया मार्थे प्रया सुरे प्रय सुरे प्रया सुरे प्रया सुरे प्रया सुरे प्रया सुरे प्रया सुरे प्

१७र्झेर्ययेष्ट्वराचेरा

सुट मुेर प्रयय निगम्य प्रमा यह ये क्रामा श्रेश निष्ट्र मी श्रेश्य मी स्थित मी श्रेश मी स्थित मी श्रेश मी स्थित मी स्थित मी स्था मी स्थित मी स्था मी स

१० मुरामार्वे व मुन्य परिष्ट्र मुन्

ध्रुट्ये द्राय्ययः विवास्य द्रायः यह विद्याः वार्ष्यः वार्ष्यः या वार्षः या वार्यः या वार्षः या वार्यः यायः यार्यः यायः यायः यायः या वार्यः यायः यार्यः यायः यार्यः यायः यार्यः

१८तुमा'य'र्चुट'यदे'क्षुट'चे्रा

सुराचेर्यययिन्याम्याम्याम्याम्य स्वाप्त्रम्य स्वाप्त्रम्यस्य स्वाप्त्रम्यस्य स्वाप्त्रम्यस्य स्वाप्त्यस्य स्वाप्त्रम्यस्य स्वाप्त्रम्यस्य स्वाप्त्रम्यस्य स्वाप्त्रम्यस्य स्वाप्त्यस्यस्यस

१८५५'यमें मर्बेर्पये सुट मुदा

हुट चुेर प्रचय लिया य प्रमा महित कर या बोर्स र बोर्स र बोर्स के अय की या कि प्रमा स्था या कि प्रमा स्था या कि प

२०रेसपाञ्चमार्याप्रमायपेष्ट्रपार्यो

परुः र्वत माशुभायाभाया मिश्रायपे हो र्वत भा

न्ने र्श्वेट अयोर्क्स र्श्वेत पर्ये सुट चेत् त्रा के अव्यवस्थ के स्वित स्वत स्वत स्वित स्वत स्वत स्वत स्वत स्वत स

वुदादे प्रश्री

२१५मो र्सेट सप्य केंबा हें न परि हुट चुेरा

२२१ सानु यान्यार्केया भ्रेन प्रयोष्ट्रिया ग्रेन्।

२३ वश सुर केंश क्रेंत वेर परे हिट मुरा इता केंद्र केंद्र

२८में शरीक परिष्टर मेरा

२५में शमुर्यये सुरमुरा

२७०१मा पूर्वे प्रति स्ट्रिट मुदा

क्षट मुद्देन प्रयाप निर्मा प्रयाप प्रयाप स्थाप स्थाप

२०म्बर्पद्मायदेशुराचेता

सुट'म्चेर'प्यप्'निमाय'रम्गु'यद्विप'स्य माश्रेश रमोश्लेर्द्रिय्य प्रमाय्य प्रमाय प्रम प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय

२५५५मा यदे सुट मुेरा

हुट चेद प्रमय निगम्य प्रमुग्य रुवि नट माशेशा हे पुर अधीन प्रये प्रद सेद प्रमुद रेगा प्रमेन पा हुय अधीन प्रमुव स्था से स

२००मोट मदे सुट मुना

सुट मुद्दे प्यय लिया य प्रयाप स्वीप य स्वीप य

३०वशर्श्वेरपुपह्मायविष्ट्रप्रचेत्

नरु'र्ळद्र'न्ने'य'या

३१८८७८ व नियम्

सुट्येर्ययय्विमायारम्गुयद्ये त्र्यम्बेषा हेर्यं याधित्राधिया यायार्ष्यात्र्यात्र्यामा व्याण्यात्र्येर् ह्रिययाहितायामहिषामाह्यया प्रसूट्याहे वाप्ये

३२३षा अपये सुदा मुदा

३३ष्ट्रमायायेम् यदेष्ट्रा मुद्

हुट'मुेर'यनय'निमाय'रमा'मस्ये क्राम्येषा हे'रु'स'धेरु'यये' हिस' य'य'रुष'मस्या'अद्या'य हेर'मसुस'यथ'हमा'य'येरु'यर्थे

३८ श्रम्यायायप्रेष्ट्रम्ये

हुट्येर्ययय्विग्यर्ग्याय्युर्येष्ट्रग्येषा चुक्येष्य्य्यय्ये बषायष्यार्श्वेर्य्येषाश्चर्ययाञ्चर्यायः श्वेर्य्यय्येष्ट्रग्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्रग्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष्ट्येष

३५ श्रद्याया क्रेंच यदे सुद चुदा

सुट्येर्ययय्विमायार्मुग्यस्ये द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य स्व स्वर्यस्य स्वरं स्वर

३७५५४भिट च मदे सुट चुेरा

सुट मुेर प्रयप निगम्य प्रगण्य सुदि महा मार्थे या अळ अया महा प्रयाप मित्र मार्थे या स्थाप स्थाप

३०५मामाधेन्यम् अपिः सुद्ये

क्षटाचेर्पययक्षिमायारम् मायस्य विष्या मीटायर्वे के अप्येता वियानसम्बद्धाः सेट्सास्य स्थान्य मीटायर्वे क्षा स्थान के स्थान स्य

३५मर्शेमाप्रहेमामुश्यायात्रास्ट्रिटामुद्रा

३*०*नुकायेकायानुकायमानायदिष्टुटानुद्रा

हुट'मेुर'यमय'निमा'म'रमा'मस्ये क्ष्मा भ्रम'मनि'र्सेमाट'स्ट' मुक्त'येक'स'मुक्ष'मर' अपर्वे।

८० वर्षा पर्से ५ पर्से ६ प्यये सुद चित्

हुट मुद्दित्य विषा भारत्या महत्ये विषा है दु साथिव भारते हिसा स्वाप्त स्वाप्त है स्वाप्त स्वाप्त है स्वाप्त स

परुः र्वतः वृः पाकुः र्शेग्राणुः श्रेः र्वतः या

र्श्वमाळमाबाध्वायति कुरार्ये द्वार्या धुरायति धुरायि धुरा

दवायेवायकयायविः सुद्राचेदादेश

८०र्श्रेमाकमायाध्यापिकुर्येट्यासु र्श्वेनाकमायाध्यापिकुर्येट्यासु

~ २१यार्चे चुरायदे छिमारु मान्यायदे सुदा चुरा

हुट मुेर प्रयय निगम्प रगु यह पे बट मार्थेश हिस या में से छित्र पर्यो में हिस या में से छित्र पर्यो में से प्रयम के प्रय

~ ३१यार्से मुेर्प्यते मिमार्प्यमेट प्रमेट मुेर्

सृट मुेर प्रयय विगाय र्गा यस्ते क्ष्य मार्थे । विभाय १९०१ मेरे प्रया विभाय १९०१ मेरे प्रया विभाय १९०१ मेरे प्र

८८ मारेरामुपाया अश्वीता परिष्ट्रा मुदा

सुट मुेर प्रयय निवास र वा प्रयास स्वास्त्र स्वास स उत्र सेर प्रयम स्वास स्वास

~ ५५ममायाष्ट्रायतेष्ट्रटाचेता

सुट मुेर प्रयत् निमाय प्रमु प्रदेश मार्थे । अळ्यय मुं हे प्रार्थे र प्रयत्य में प्रमाय सु निट अर्थेट मार्थे ।

~ ७८मगमो नट रुमन्य स्थि सुट सुर

~ यद्यमामी'रु'मर्गेर्'ग्रेर'सदे'क्ष्रूट'ग्रेर्

~ ४महेषायविष्ट्वराग्नेता

~ व्यदेगायर ग्वा अर्थि हुट मुेरा

सुट मुेर प्रयय निगम्य प्रमुप्त स्वर्ते म्या स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वय स्वय स्वयं स्वय स्वय स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं

प॰गान्यादन'योन'यकम'यवे'क्षुद'मुेरा

सुट मुेर प्रयापित्रमा प्रमा प्रदेश क्रामां श्रेश प्रमा स्वाप्त स्वाप्त

<u> न्मोर्स्स्टाम्बर्य न्याविस्रमान्त्रेसाममुख्य महास्रम्</u>

यसुर्व्य दुगायाया

५१वम्मर्छित्रपुष्ट्रमायविष्टुराचेत्र

हुट मुद्दित्त्वत् विषा संद्रम् प्रदेश वट षाश्रेशा वार्वेद शेशशाणी ह्रीं वश्राम् वश्राम् वश्रित्त व्याष्ट्रीं व्याष्ट्रीं स्वाप्त क्षेत्र प्रदेश स्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वापत विश्वापत

पत्रभेषारेषायदेषुटा मुदा

पन्नुयाम्डिमाः स्मार्थेर १९०१ मदिः सुदा मुदा

क्षुट मुद्दे प्यय निष्म प्र प्र मृत्य क्षेत्र प्यय क्षेत्र प्र प्यय क्षेत्र क्षेत्र प्र प्र प्र प्यय क्षेत्र क्षेत्र प्यय क्षेत्र क्षेत्

पपश्चेमा'क्ष'भार्नेट'न्यदे'क्षट'चे्दा

सुट मुद्दे प्रयाप निमा सादमा प्रयाप सुदि प्रयाप मार्थित म

प७इ८ मदे हे या सु र्सुमाया मदे हुट मुदा

सुट'मुेर'यमय'निग'स'रगु'मसुते'नटमाशेशा रगो'यर्न गुंगानशः नश्चिट'मदे'रगो'र्सेट'रट'स्नुन'सेग'र्सेट'यश्चश्चा रगो'यर्न गुंगानशः

पयन्मे स्यामङ्ग्रीयाम सुन् परि सुट मुन्

हुट मुेर प्रमय निगम्य प्रमुग्म स्वि म्हा स्व मा हिए मा हि

५२मेंशायः अप्तश्चरायार्ग्येत्रायदेष्ट्वराये

सुट'मुेर'ययय'निमा'स'रमा'यद्धये'त्रट'माश्रेशा उट'यये'र्केत्रमाश्रुश' मुश्राम'श्रायश्चुर'यये'सु'माट'र्येटश'यये'मिश'रगार'र्येर'मान्त्रमंभ्रा मार्थेमश्चेर'यर'मुंत'सा

पश्चेत्र में के त्या ने मा यदे सुद चुेता

७०षुषाचुेरायदेख्याचेरा

ष्ट्रिट्येन्ययय्विमायान्मुयद्विष्ठ्याम्यय्येष्ठ्याः वर्ष्यय्यः वर्ष्यः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वर

नरु'र्क्न'नरुन'म'भा

55'तर्गे निर्देश्य दिन्द निर्देश वित्त निर्देश के निर्

७१५५ तम् मर्बर्भराये सुद मुदा

सुट मुेर प्रयय निमाय प्रमा यह ये म्या मार्थे र से अया मार्थे

हुट मुद्दि प्रयाप निषा या द्वा प्रस्ति । यहे मार्थ भी प्रस्ति । यह मार्य भी प्र

७३मामा ळेवा र्सेमा यदे सुट पुरा

सुट मुेर प्रयय निगम्य प्रमाप्य स्त्रीय मार्थे स्त्रीय स्त्रीय

७८ दुर हे प्रते सुर ग्रेता

स्ट मेर प्रयय निया पर्या मेर प्रया मेर प्रया

७५मुनु सेन्द्रमान्यमार्थमारु मानु अयामदे सुर मुन

७७८८८४४४४२ मुेर्भये द्वरा

स्ट्रिट में द्रिया विवास द्रिया में स्ट्रिया स्वास्त्र स्वास्त्र

७० से ५ 'यदे 'सु ८ ' मे ५

स्ट में प्रतित्वत्विमाय प्रमुप्त स्ति मार्थे विष्ठ स्ति । विष्ठ स्ति स्वर्थ प्रमुप्त स्वर्थ । विष्ठ स्वर्थ प्रमुप्त स्वर्थ । विष्ठ स्वर्थ प्रमुप्त स्वर्थ । विष्ठ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्

७५मप्रीम्यमान्नेप्यस्यर्केष्यविष्ट्वराष्ट्री

क्षटाचेर्प्यत्विमायप्तमुप्यस्ति वटामाश्रेश रहामीश्राचित्र चित्र यत्रश्रास्त्र हित्र स्थाश्रीमार्डमायदे प्रमोश्लेष्ट मोर्मेश्रास्त्र चित्र स्थार्थ प्रमार्थ प्रमार्थ

७० मुरप्रयदेनम्यप्रदेषुरप्रेत्।

सुट'मुेर'प्यप्'बिग'म'रगु'यदुप्रे'द्रट'ग्रेश्या अर्घेट'र्घेश'र्रेग्या मह्यस'सेर'प्रपे'र्नो'र्सेट'प्य'यसस'यिव, देर'स्ना'स'यदु'ग्रह्मा'स'यदु'ग्रह्मा'स'यदु'ग्रह्मा'स'यदु'ग्रह्मा'स'यदु सुट'मी'स्नुर'यप्रेप्यस्या

००मुन्भेन्नः द्वा द्वा पुरम्भेन्य देवा पुरम्भेन्य देवा पुरम्भेन्य देवा पुरम्भेन्य देवा पुरम्भेन्य देवा पुरम्भेन

स्ट्र-मुन्द्र-द्रमद्भिन्द्र-स्वर्थन्त्र-स्वर्थन्त्र-स्वर्थन्त्र-स्वर्धन्त्र-स्वर्यन्यः

<u> न्मोर्स्स्टरमेशयन्त्रयाष्ट्रिययाष्ट्रिययकुत्रयम्</u>यस्य

নহু'ৰ্ক্তর'নদ্রুব'ন'থা

००मुम्याप्ताक्षम् उमामुप्तम् पर्याप्ति सुदानुत्

क्षुट मुद्दे प्यय निष्पाय प्रमा मुद्दे प्यय मित्र मित

०२१ मु अ र्ये द प्य प्य हो द प्य प्र हें मु अ प्य पे हिंद हो द

०३ शर्में पदे सुद मुदा

०८ मेट रुप्तर्मा सति सुट मेरा

क्ष्या से स्वाप्त विषय स्वाप्त स्वाप्

यपम्यस्य स्ट्रिट मदि सुट मुद्दा

हुट मेर प्रत्य निगम्य प्रमुख्य स्वरम्थे या द्र्यो स्वरम्थि स्वरम्थे स्वरम्ये स्वरम्थे स्वरम्

०७१म संग्रेन परिष्ट्र ग्रेन

००भे श्चायमायम् प्रति सुद मुदा

०५सम्बुर्यायदेष्ट्वराचेत्

सुट मुेर प्रमय निगम्य रगा मुर्ये क्रिया में प्रमाण प्रमाण

अव्यायश्रद्धाः मेर्

स्ट्राचेन्ययः निषायः नष्णायद्वे विष्यः प्राप्तः विष्यः प्राप्तः विषयः प्राप्तः विषयः प्राप्तः विषयः प्राप्तः व यत्राप्तः स्रोधेषः यश्चरः याः यहे वः यदेः यषः यश्चितः यशः यन् ववः यः न्द्रः यरः चेन्यं प्राप्तः विषयः याः यहे वः यदेः यषः याः विषयः याः विषयः याः विषयः याः विषयः याः विषयः याः विषयः याः व

<u>र्मोर्स्स</u>टमीय प्रजासियय हैस प्रमुख स्पार्थ ।

५० धुः र्रे म्बॅट रु पह्मा यदे सुट चुरा

यसुर्क्ष्य प्रगुप्य या

५७में ८ र मु प्यये सु ८ में र

सुट मुेर प्रयय निगम्य प्रमुग्य सुति मार्ग मार्थे या स्ट म्याँ प्रमानिक प्रमुं या प्रमुं या

५३ ए५ ५५ मर्थे ५ ५५ १५ १५ १५ १५

क्षट में द्रिया क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत

५८ षयाम्यानुरायविष्ट्रानुरा

५५षोम्प्येष्ट्राय्येष्ट्राय्येष्ट्राये

सिट्नेन्यययं विवास नगाय द्वी विद्यान स्थित स्था सिद्यान सिद्यान

५७विट नया नर्गेषा सदि सुट चुेता

स्ट्रिट 'येनप' विगाय 'दग्या' यह दे 'वट मार्थे था दगे 'य दुव 'ग्री' ये यथ य विवाद प्रत्या य विवाद य विवाद प्रत्या य विवाद य वि

५०मिट्रिट्याळ्ट्रक्षमाचेट्रयदेष्ट्वटाचेट्रा

क्षरम्वेरप्रययक्षिमायारम्यम्यस्य मार्थेषा मार्रिटम्यस्य मार्थित्यः स्थान्ति स्थानि स्थानि

५५मायम् ५मायाळ ५ या अ १ स्मा यदे १ सु ८ गुरा

क्षटाचेदायमयालेगायादगुगमञ्जयाक्षमायायकटाया ५ मुद्दाचेदायमयालेटादुगमञ्जयाक्षमायायकटाया

८०म्बाकेन्द्रन्यबाञ्चमायविष्ट्राप्तुना

०० केंबा में बार्क दायबा क्ष्मा यदे सुदा मुदा

र्शेर'प्रमुग्राशु'श्रे।

दमोर्स्स्रिट्यो स्वट्य स्वट्य स्वट्य स्वट्य स्वट्य स्वय्य स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स्य

र्शेर्श्रियम्बार्यायप्रेष्ट्रेयायविष्ट्रे।

५८'र्से। खुत्र'नमे'र्सेट'स'त्र'नमेंर्सेट'स'रूट'हैर'ग्रै'पर्के'पर्दे'पर्दे'स्क्रिंस्य'रे' ५मे'र्सेट'मेश'पसूट्य'द्य'र्पेट्य'र्सेट्य'र मार्हेश'या

श्चैत्र'यदमामी'मात्रश्रादमो र्श्वेद्रायामाल्य प्रद्राया प्रमाया प्रमाय प्रमाय

मासुस'या

ष्ठिभ'ण्चै'नसून'र्स्थ'र्चुद'यदे'ह्वैद'नदग'गै'द्रद'द्रश'त्रश'त्रस'त्रेह्य विस्यार्ह्येद'य'द्रद्रा

यक्षेया देशम्यायाद्यायक्षायदेगाव्यासुर्केमानुर्सेग्याय्पेद्यास्य सुव्यायकात्राव्याव्याक्षेत्रार्सेद्यास्थ्रीत्रा

वेषानुषानमु प्राप्त पुष्व

हुट्या हे हित्र वट्या शेषा हे श्रामुष्य ग्री हे रहे प्राप्त है राम हे स्वर्थ क्ष्य मही है रहे प्राप्त है राम है र

८८.त्र्म्म्ब्रामम्यित्र्य्यामञ्ज

न्गेर्श्वेद्याध्याः क्ष्याम् । स्वायाः क्ष्याक्ष्यः क्ष्याः स्वायाः क्ष्याः स्वायाः क्ष्याः स्वायाः क्ष्याः स्व उत्र परुषान्य प्रमाय प्रमाय प्रमाय के व्यापी विष्य सुवार प्रमाय प्रम प्रमाय प्र ५'उट'रेट'प'र्टा ५'उट'युट'प'क्षे'र्स्रेर'ण्चै'र्मेश'र्चुन'र्द्ध्यामासुस' चठयामें याचें क्रियापदी स्थया मुयाका हेया मुयासु प्रचुरार्से।

मार्श्रेश्रायपर्मो मदी स्वा भे मा

हैशनुशणुः श्रेष्ठं महिश्यायार्श्वेतायुग्यानु पर्वाप्ति श्रेष्ठाया युश दमाभागस्थ्यसायाद्या में साळम् सायेम् सायम् सायमें पाद्या उ र्डे दि प्रस्थाय दिया सेमाम्यसम्पर्धत् दुः क्षाय दिया माइतः मेदः मादायसारेदारुष्ट्राचार्दा सर्मीर्मेसाग्रीसाचरुसायार्दा नुसा वयश्यर्देशश्राष्ट्ररयम्य हेया द्वा त्रु में श्रायमा भागित्र गाम

म्बर्यान्द्रा यमायाम्ध्रैयायाद्वा व्यान्ध्रियाम्याद्वा स्थान्य स्थ्रियाम्य स्थिति स्थ्रिय स्थ्य स्थ्रिय स्थ्रिय स्थ्य स्थ्रिय स्थ्य स्थ्रिय स्थ्रिय स्थ्य स्थ्रिय स्थ्य स्थ्य स्थ्य स्थ्य स्थ्य स्थ्य

माशुभायायनुमायये र्द्ध्यानगा

हेश'नुश'णु'श्रे'र्ळत्र'माशुश्राया स्रुत'या'यदुम्।यदे'श्रे'र्ळत'या ष्टिश' यदमा'र्श्वम्थ'णुश्रायार्श्वश्रायद्वाय प्रदा श्रेम्। र्ख्वम्थ स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत्त स्थापत्र स्थापत्त स्थापत्र स्थापत्र स्थापत्र स्थापत्त स्थापत्र स्थापत्त स्थापत्त स्थापत्त स्थापत्त स्थापत्त स्थापत्त स्थापत्त स्थापत्र स्थापत्त स्यापत्त स्थापत्त स्थापत्य स्थापत्त स्थापत्त स्थापत्त स्थापत्य तर्मामी'रूभ'यशमाद्याधिते'र्तमा'रु'यगुमा'य'रद्या मद्यायम् र्द्धम्मद्द्रस्य'य'द्दा दर्देश्रश्राश्चर्द्द्रप्यर'युश्य'य'यठश'ग्रीश'यश्चर' रु'हेश'युश्य'शु'दश्चर'य'श्चे'दगु

पत्रिया ब्रह्माये व्यापित्रं स्वाप्त विष्

ृ'याम' त्रश्रें प्रहें प्र'हें प्र'में हेमा

हेबानुबाणु हेर्क्ष प्यान्य नयदे हेर्या नबायेग्बाय प्रभानाय न्मा अयामयान्यत्रेयान्मा न्यान्या न्यान्या विष्यानेना गियाद्रम्य प्रत्या अपनिविद्यात्र्या अर्था अर्था अर्था अर्थ विराध्य र्जुमार्जुमार्ना अयाबियायराजमारमारमारा मारायाप्राप्ताप्तार क्यायासुर्भुदेशङ्गाद्रायस्यायाद्रा क्षेष्ट्रीयासुरायाद्रा वर्म्या र्शेग्रायमुः अप्रेपेरे वयागुर दुः से प्याद्या वयायायसुः र्रेति द्या विभागित्रमार्थित्रमाथ्यसम्पर्धित्रपुर्श्चित्रप्रम्म मृत्रस्थामित्रम्भागित्रम् 5्रायमें क्ष्रायमायर्थे पठ्रायार्या यगायाया अया स्या नक्ष्मायाद्या अह्नार्थेषाञ्चरान्वेदान्त्रद्यात्र्वेषायाद्या व्यमा यायात्रबाकमाबायासुमाबायाद्या त्रबाद्यायक्षायदे ख्रुटायतेदा र्श्वेयार्श्वेयायुद्याद्या वयायर्कदाहेवाणुगव्याय्याय्यायर्थया यदे द्वा गुरा वा या के हेर मार्डमा मी

इमायाञ्चराचेरार्धेराद्यापरुपि

हेशमुश्राणु से क्वरमुग्याया नगे र्सेट ग्ववन मुः स्ट्रिट मनेट या प्यु यद्रा यमायात्रशाष्ट्रिशास्त्रम्बारायशकुः र्सूर्यायरेमायद्रा म्बन्य वश्रद्राप्यमायपेकुष्टिभादुष्पर्योग्यद्रा वश्रुमाञ्चरायवेदा वट'त्रुगश'य'रट'। श्रुट'यवेर'र्रग'स्रेगश'सेर'यर'श'हेव'स्रेट' यलगायाद्या श्रुटायबेदाग्यदायरायलगायाद्या ग्यायराश्ररा यलगायाद्या दगावागात्रयात्रयात्रयात्रया म्याद्यायाद्या म्याद्या शन्दा न्यान्यावरानुष्ट्वरायवेन्यसुर्यान्दा यदशानेयसुर्या ५८१ वनमः कुः ५ मा भेविः क्वा का विमा से स्वा प्रमा के प्रमा क्षा कर महामा म्रे'मरु'मलेर्पे।

परुक्रपार्केशार्भेक्रक्ष्याभेरादुण

हेश मुश्य भ्री के कर पत्र पार्केश के वार्ष के वार के वार्ष के वार के वार्ष मिल्रेन दुर्गायायाय रहा है द्रायमे हा के स्वाप्त कराया द्रा दे मलेव'रु'श्रयम्प्रम् मि'स्व'के'अर्थेर'यरुग्यम्प्रम् । अरुव'रु'यर्गे न'य'कुन'क्ष'र्केश'दकर'म'र्दा यथ'कु'र्त्युश'क्ष'दर्गे'न'य' यसर्भेदे तम्बस्तर्भक्षात्रकर पर्दा से स्वर्म सम्बर्भ मार्थे महाराष्ट्र ५८१ में श्रायहेश्यप्टा सुर्मेश्यम्यरमा अर्ग्या मारुवर्गोटरुपर्सेवर्पर्दा क्ष्मायरपर्सेवर्पर्दा सुर्धेर्पर यसुषाने र्रेगोरा उत्पर्मा वृः श्वेताया द्वा र्रेतायवाया वृः श्वेताया द्वा विद्या विद्य मुद्रकेम्यार्वेम्याद्दा मृत्यार्वेम्याद्दा र्खेन्यायुग्या यन्ता नित्रहरेष्ट्रेत्यत्वायन्ता अकैयाष्ट्रमार्चेद्रयन्ता पायर पार्चिमाय पार्पा मार्माय विमाय पार्पा अर्कें के विमाय पार् न्या म्यामी र्वेमायायान्या अन्यमानु र्वेमायायान्या मी क र्मेन

यायरुषायार्केषायम्द्रायाक्षेषेरादुमार्मे।

यमु<u>न्य श्</u>रुयायदे र्द्ध्या गशुश्रा

हेशयुर्यणे शे क्वं प्रमुद्दा गाउँ प्रश्लेश स्त्री की क्षेत्र प्रमुद्दा स्त्री स्त्र प्रमुद्दा स्त्री स्त्र प्रमुद्दा स्त्र स्त्र प्रमुद्दा स्त्र प्रमुद्दा स्त्र स्त्र प्रमुद्दा स्त्र स्त्र

न्गु'य'कु'य'ग्डिगा

हैशनुशणुः हे रहत द्वाप्य कु प्रदेश प्रश्ना है। ह्वाप्य र्श्वा यदे वा से विष्य के प्रते वा से विषय के प्रते वा से वा

नक्षुन'य'र्थेटश'र्स्चेट'मी'मिले'मासुस्रा

यन्त्रायाय्ययम्पर्ययस्य स्वाधित्र स्वाधित स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्व

मार्थे र्सेट मरु मले या

अश्रुव्ययि मर्शि हुँ एयय दुय देय प्रयोग मर्शि हुँ ए मी विष्य भी मा से मिया प्रयोग प्य

गर्शे र्बेट 'नर्रे थ्'या

माले'माशुक्ष'र्के'मा

<u>न्युरम्बाद्याः शुःर्केम्</u>।

र्श्वेर या गर्डमा प्रमापट चि र्देर चु निटा महर्ष स्वाप्त प्रमानि प्रदान महिष्य स्वाप्त प्रमानि प्रमानि प्रमानि स्वाप्त स्वाप्

<u> न्मोर्स्स्रिट्मोयाय्</u>न्या<u>विस्रया</u>न्द्रेसाम्बन्धाः

५५८ मान्यास्य स्वाप्त स्वाप्

रमुरमान्या

५ममा ५ छे।

5्रमणी'नमाम'न्छे।

<u> न्मोर्स्स्रिट्मीयायनुव्याष्ट्रिययाष्ट्रीययाष्ट्रीयाम्</u>यस्य

८८। रगुरम्धियाययात्स्रद्यात्रभ्रम्भ्रम् न्यायी १९१० विया भ्रेत्र घाळ्टा यी। व्यापर्के स्थापर्यापया रग्नी प्राप्ता

में या भी मान्य मान्य स्था

यद्यायामिले यद्यायद्वायया यदेराम्वयामेव में भी भी में भी

नुषान्दानुषाधिक मध्यापदीयावी

नस्यापत्वुदानवेषावेष्वयापासे। गविष्टुदासुदासेम् मुं स्थाप्ते। मेशमेट'न्व'कुश'यदे'न्गे'र्ब्बेट'र्मि'क्शा मश्रम'याश्रद'दर्ने'णै' নমমান্তুর'মাকর'মা প্রুম'নাপ্রমানদাদীম'বেকন'মম'ন স্করি'মা अवरः वुगाः अटः गीः क्षुः रेटशः मरः नरः नरु नशः यः क्षेः अवः यगः निः गाः क्टाम्यरम्यापदाञ्चटामान्देशमान्निमात्युमान्नेटा। याक्टामाथी त्युर्यान्दा यथायात्कवावरुषाम्बर्यर्थेर्थेर्द्या वकवाया बेद्रन्यथाणु पश्चर्या श्चित्र्यपे क्चें त्रथा स्वीत्राय रेश सेद्र्या स्वीत्राय स्वीत्राय स्वीत्राय स्वीत्राय स क्ष्माञ्चर चुर कर्शें अगुर्शेमश्चीं कर प्रश्न स्मुर पर्दा स्र हिर माटायायहेवावयाष्ट्रदायाचुदायदेग्दर्स्यायादेग्याचिमानुः श्रद्या य'र्टा म्बिर'इसस्यस्यस्य प्रमाधिर'श्रीस'यम्बास'य'र्युर्प्यार्सेनास' रूट रूट मी कें मा यहित मुेर या

रैशकर र्से जिथे भे विभाग पान्तु रा

र्हेन सें द्रिया ये प्रिया प्रति प्

धुर पर्रेषा

वर्द्रा वेर्द्रप्राथ्या यश्च्यायाः विषयाः श्वर्याः विषयाः विष्ट्रायः विषयाः विष्ट्रायः विषयाः विष्ट्रायः विषयः विष्ट्रायः विष्ट्रायः विषयः विष्ट्रायः विष्यः विष्ट्रायः विष्ट्रायः विष्ट्रायः विष्ट्रायः विष्ट्रायः विष्ट्य

<u> न्मोर्स्त्रेट मीय पर्नुपा सिसम् कृषा ममुख्य प्राप्त</u>

धुर पर्देश गुष्मिल पर्दा

यन्त्रयम्मिन्यस्य स्वाधित्र मिन्यस्य स्वाधित्र स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्

र्सेर्यपे मुप्ति

भ्राक्षेत्रम्यार्स्ट्रन्यम् श्रुम्प्यायु स्विम् श्रुम् श्रुम्यायस्य प्रमूप्य स्व

मात्रयास्यामी मात्री

पर्वापामानियसुम्बर्भा यदेरमान्या मेन्यामानियः मेन्यामानियः स्विप्यानियः मार्थेया मान्याययायययमार्थेयासुर्यासुद्राच्याचेराच्याम्य कः सः भंग्राची प्रभावी विद्या देशा देशा विद्या विष्य विद्या विष्य विद्या ५८१ वेमिशसुः शुप्तामदेः क्षेकारमका र्वेमिका में पार्ता मान्त्राधाः अर्हेर्द्राच्यायदायार्श्वेम्रायाद्या मदात्रमार्श्वेदेशयदायार्श्वेद् यसम्बेर्भिट्योर्क्ट्रका सर्केट्रहेन्द्रपुष्यस्थि मुयासर्क्रया र्शेम्यामानुदास्य वुत्रपुत्रपुत्रप्ति दे प्रत्येयायम् अर्केमायाम्य पुर चुट'नश'सुग'नु'न'र्रा अध्रअ'क्'क्कर्य'र्रा मुर्'भेर'णैश'र्गे' र्श्वेद या सुमा चेद या सेमाय चै यश्च या चु यर सार्थी

<u> न्योः र्से</u>ट्यीबाय, नृत्या<u>ष</u>िक्षका क्षेत्रायमुः शृः यहुः स्थायका

वन्नेयामानुना खुवा



श्चिते भुगमा के निम्म मान्या



मानुद्रायम् १०२५५०८ २२५५७

मोट संत्रा १०८५८७००

धैगाञ्चया <u>himalayanc@१५၉.com</u>

श्चितिः र्यो १०१५ स्ट्रीं स्ट्रीं १०१५ स्ट्रीं स्ट्री